१ मातृभूमि

कविता का सारांश

यह कविता भारत देश की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक गौरव का वर्णन करती है। कवि अपनी मातृभूमि की प्रशंसा करते हुए उसके विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है। हिमालय की ऊँचाई, गंगा और यमुना नदियों की पवित्रता, देश की धार्मिक विरासत, और प्राकृतिक सौंदर्य जैसे तत्वों को कवि ने अपनी कविता में बड़े ही भावुक तरीके से प्रस्तुत किया है।

कवि ने भारत को एक धर्मभूमि, कर्मभूमि, युद्धभूमि और बुद्धभूमि के रूप में भी चित्रित किया है। भारत में जन्मे महान व्यक्तियों जैसे राम, सीता, कृष्ण, और बुद्ध का उल्लेख करते हुए कवि ने देश के गौरवशाली इतिहास को याद किया है।

शब्दार्थ:

हिमालय : दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत
आकाश :गगन, आसमान
चरण :पैर
नित :हररोज, हमेशा, नित्य
त्रिवेणी : तीन नदियों का संगम
छटा : चमक, आभा, सुंदर दृश्य
पुण्य-भूमि : पवित्र भूमि
स्वर्ण-भूमि : सोने जैसी कीमती भूमि
जन्मभूमि : जन्म लेने की भूमि
मातृभूमि : माँ जैसी भूमि
झरना :धोध
अमराई : आम का बाग
कोयल : एक प्रकार का पक्षी
मलय पवन : सुगंधित हवा
तन :शरीर
धर्मभूमि :धर्म की भूमि
कर्मभूमि :कार्य और महेनत की भूमि
रघुपति : राम
सीता : राम की पत्नी, जानकी
पुनीत :पवित्र
सुयश : यश, कीर्ति
दया :करुणा
युद्ध-भूमि : युद्ध होने वाली भूमि
बुद्ध-भूमि : बुद्ध धर्म की उत्पत्ति वाली भूमि

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. हिंद महासागर के लिए कविता में कौन-सा शब्द आया है?

- **चरण**
- **वंशी**
- **हिमालय**
- **सिंधु ★**

2. मातृभूमि कविता में मुख्य रूप से–

- **भारत की प्रशंसा की गई है। ★**
- **भारत के महापुरूषों की जय की गई है।**
- **भारत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की गई है।**
- **भारतवासियों की वीरता का बखान किया गया है।**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. संस्कृत में, "सिंधु" का शाब्दिक अर्थ महासागर है। इसलिए हिंद महासागर को कविता में सिंधु कहा गया हैं।
2. कविता में भारत देश की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक गौरव का वर्णन किया गया है। कवि अपनी मातृभूमि की प्रशंसा करते हुए उसके विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द	अर्थ या संदर्भ	उत्तर.
1. हिमालय	1. एक प्रसिद्ध महापुरुष, बौद्ध धर्म के प्रवर्तक।	1. 10
2. त्रिवेणी	2. वसुदेव के पुत्र वासुदेव ।	2. 4
3. मलय पवन	3. भारत की प्रसिद्ध नदियाँ ।	3. 6
4. सिंधु	4. तीन नदियों की मिली हुई धारा, संगम।	4. 8
5. गंगा-यमुना	5. श्री रामचंद्र का एक नाम, दशरथ के पुत्र ।	5. 3
6. रघुपति	6. दक्षिणी भारत के मलय पर्वत से चलने वाली सुगंधित वायु।	6. 5
7. श्रीकृष्ण	7. एक प्रसिद्ध और प्राचीन ग्रंथ 'श्रीमद्भगवदगीता', इसमें वे प्रश्न-उत्तर और संवाद हैं जो महाभारत में श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच हुए थे।	7. 2
8. सीता	8. समुद्र, एक नदी का नाम ।	8. 9
9. गीता	9. जनक की पुत्री जानकी ।	9. 7
10. गौतम बुद्ध	10. भारत की उत्तरी सीमा पर फैली पर्वत माला ।	10.1

पंक्तियों पर चर्चा

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

"वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी । "

उत्तर:- ये पंक्तियाँ देशभक्ति से ओत-प्रोत हैं। कवि अपनी मातृभूमि के बारे में गहरा लगाव व्यक्त कर रहा है। आइए इन पंक्तियों का विस्तार से विश्लेषण करें:

- "वह युद्ध-भूमि मेरी": इस पंक्ति से कवि का तात्पर्य है कि उसकी मातृभूमि ने कई युद्ध देखे हैं। उसने अपने देश की रक्षा के लिए बलिदान दिए हैं। यह देश की शौर्य और बहादुरी को दर्शाता है।
- "वह बुद्ध-भूमि मेरी": इस पंक्ति से कवि का तात्पर्य है कि उसकी मातृभूमि ज्ञान और शांति का घर है। यह बुद्ध की भूमि है, जहां धर्म और आध्यात्म का विकास हुआ है।
- "वह मातृभूमि मेरी": यह पंक्ति सीधे तौर पर मातृभूमि के प्रति प्रेम और लगाव को व्यक्त करती है। मातृभूमि को माँ के समान माना गया है।
- "वह जन्मभूमि मेरी": इस पंक्ति से कवि का तात्पर्य है कि वह इस देश में पैदा हुआ है और उसका इस देश से गहरा नाता है। यह उसकी जन्मभूमि है।

कुल मिलाकर, ये पंक्तियाँ देशभक्ति की गहरी भावना को व्यक्त करती हैं। कवि अपनी मातृभूमि के इतिहास, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गर्व महसूस करता है। वह देश की शौर्य, ज्ञान और शांति को एक साथ जोड़ रहा है।

सोच-विचार के लिए

(क) कविता को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

1. **कोयल कहाँ रहती है?**
   उत्तर: कोयल अमराइयों झाड़ियों में रहती है।
2. **तन-मन कौन सँवारती है?**
   उत्तर: मलय पवन हमारा तन-मन सँवारती है।
3. **झरने कहाँ से झरते हैं?**
   उत्तर: झरने पहाड़ियों से झरते हैं।
4. **श्रीकृष्ण ने क्या सुनाया था?**
   उत्तर: श्रीकृष्ण ने गीता सुनाई थी।
5. **गौतम ने किसका यश बढ़ाया ?**
   उत्तर: गौतम बुद्ध ने दया का यश बढ़ाया।

(ख) "नदियाँ लहर रही हैं, पग पग छहर रही हैं"

'लहर' का अर्थ होता है– पानी का हिलोरा, मौज, उमंग, वेग, जोश

'छहर' का अर्थ होता है– बिखरना, छितराना, छिटकना, फैलना

कविता पढ़कर पता लगाइए और लिखिए-

- **कहाँ-कहाँ छटा छहर रही हैं?**
  उत्तर: पग पग छटा छहर रही है।
- **किसका पानी लहर रहा है?**
  उत्तर: गंगा, यमुना, त्रिवेणी का पानी लहर रहा है।

कविता की रचना

"गंगा यमुन त्रिवेणी
नदियाँ लहर रही हैं"

'यमुन' शब्द यहाँ 'यमुना' नदी के लिए आया है। कभी-कभी कवि कविता की लय और सौंदर्य को बढ़ाने के लिए इस प्रकार से शब्दों को थोड़ा बदल देते हैं। यदि आप कविता को थोड़ा और ध्यान से पढ़ेंगे तो आपको और भी बहुत-सी विशेषताएँ पता चलेंगी। आपको जो विशेष बातें दिखाई दें, उन्हें आपस में साझा कीजिए और लिखिए। जैसे सबसे ऊपर इस कविता का एक शीर्षक है।

उत्तर:

- ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है, = चूमना - स्पर्श करना
- नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है। = नित - नित्य

मिलान

स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलते-जुलते भाव वाली पंक्तियों को रेखा 5 खींचकर जोड़िए–

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी ।	1. यहाँ आम के घने उद्यान हैं जिनमें कोयल आदि पक्ष आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।
2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।	2. मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।
3. अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है।	3. वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है। कि पक्षी पेड़-पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।

उत्तर:

स्तंभ 1		स्तंभ 2
1. वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी ।	=	मैंने उस भूमि पर जन्म लिया है। वह भूमि मेरी माँ समान है।
2. चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।	=	वहाँ की जलवायु इतनी सुखदायी है। कि पक्षी पेड़-पौधों के बीच प्रसन्नता से गीत गा रहे हैं।
3. अमराइयाँ घनी हैं कोयल पुकारती है।	=	यहाँ आम के घने उद्यान हैं जिनमें कोयल आदि पक्ष आदि पक्षी चहचहा रहे हैं।

अनुमान या कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए–

(क) "अमराइयाँ घनी हैं
कोयल पुकारती है"

कोयल क्यों पुकार रही होगी? किसे पुकार रही होगी? कैसे पुकार रही होगी?

उत्तर: कोयल को बसंत ऋतु अच्छा लगता हैं। इस ऋतु में वह खुश होती हैं। इस वजह से सब को गा गा कर पुकारती है।

(ख) "बहती मलय पवन है,
तन मन सँवारती है"

पवन किसका तन-मन सँवारती है? वह यह कैसे करती है ?

उत्तर: मलय पवन की अपने साथ बहाकर खुशबू लाती है। यह इस भूमि पर रहने वाले सब का तन मन सँवारती हैं।

शब्दों के रूप

नीचे शब्दों से जुड़ी कुछ गतिविधियाँ दी गई हैं। इन्हें करने के लिए आप शब्दकोश, अपने शिक्षकों और साथियों की सहायता भी ले सकते हैं।

(क) नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए-

"जगमग छटा निराली,
पग पग छहर रही हैं"

इन पंक्तियों में 'पग' शब्द दो बार आया है। इसका अर्थ है 'हर पग' या 'हर कदम पर।

शब्दों के ऐसे ही कुछ जोड़े नीचे दिए गए हैं। इनके अर्थ लिखिए–

- **घर-घर** हर एक घर
- **साँस-साँस** प्रत्येक सांस
- **बाल-बाल** हर एक बाल
- **देश-देश** प्रत्येक देश
- **पर्वत-पर्वत** हर एक पर्वत

(ख) "वह युद्ध-भूमि मेरी
वह बुद्ध-भूमि मेरी"

कविता में 'भूमि' शब्द में अलग-अलग शब्द जोड़कर नए-नए शब्द बनाए गए हैं। आप भी कुछ नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ पता कीजिए-

(संकेत- तप, देव, भारत, जन्म, कर्म, कर्तव्य, मरु, मलय, मल्ल, यज्ञ, रंग, रण, सिद्ध आदि)

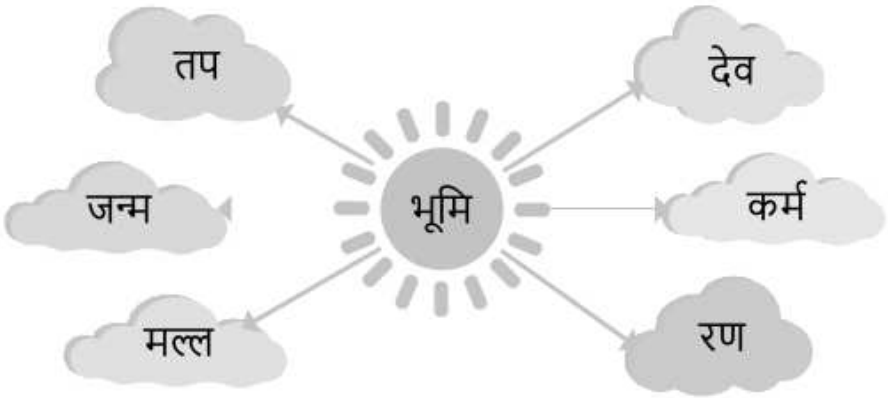

उत्तर:

- तपभूमि - तपस्या की भूमि
- देवभूमि - देवताओं की भूमि
- भारतभूमि - भारत की भूमि
- जन्मभूमि - जन्म की भूमि
- कर्मभूमि - कार्य की भूमि
- कर्तव्यभूमि - कर्तव्य की भूमि
- मरुभूमि - मरुस्थल की भूमि
- मलयभूमि - मलय पर्वत की भूमि
- रंगभूमि - रंगमंच की भूमि
- रणभूमि - युद्ध की भूमि
- सिद्धभूमि - सिद्धियों की भूमि

थोड़ा भिन्न, थोड़ा समान

नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए-

"जग को दया सिखाई,
जग को दिया दिखाया।"

'दया' और 'दिया' में केवल एक मात्रा का अंतर है, लेकिन इस एक मात्रा के कारण शब्द का अर्थ पूरी तरह बदल गया है। आप भी अपने समूह में मिलकर ऐसे शब्दों की सूची बनाइए जिनमें केवल एक मात्रा का अंतर हो, जैसे घड़ा -घड़ी।

उत्तर:

आग	=	आगे	चना	=	चीन	धुप	=	धप
गम	=	गुम	दान	=	दिन	मेला	=	मैला
घट	=	घाट	राज	=	राजा	नग	=	नाग
चाँद	=	चाँदी	मन	=	मना	ताज	=	ताज़ा

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) इस कविता में भारत का सुंदर वर्णन किया गया है। आप भारत के किस स्थान पर रहते हैं? वह स्थान आपको कैसा लगता है? उस स्थान की विशेषताएँ बताइए।
(संकेत– प्रकृति, खान-पान, जलवायु, प्रसिद्ध स्थान आदि)

उत्तर:

1. हम भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य के श्रीनगर में रहते हैं। हिमालय से घिरा यह शहर अद्भुत परिदृश्य, प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक उद्यान, शिकारा की सवारी, हाउसबोट और बहुत कुछ समेटे हुए है।

- **प्रकृति** : श्रीनगर अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। पहाड़ की चोटियों, हरी-भरी घाटियों, चमचमाती झीलों, मंदिरों और मुगल-युग के शानदार बगीचों से घिरे इस शहर ने सदियों से कवियों को प्रेरित किया है।

- **खान-पान** : श्रीनगर केसर, हरी इलायची और अन्य जैसे कुछ विदेशी मसालों के लिए प्रसिद्ध है। मीठा कश्मीरी चावल, मोदुर पुलाव एक स्वादिष्ट व्यंजन है, जिसे हरी इलायची, केसर, बादाम, काजू और चीनी के साथ स्वादिष्ट बनाया जाता है।
- **जलवायु** : यहाँआर्द्र उपोष्णकटिबन्धीय जलवायु हैं।
- **प्रसिद्ध स्थान** : श्रीनगर अपनी डल झील और खूबसूरत मुगल उद्यानों के लिए प्रसिद्ध है जो किसी को भी इस जगह की ओर आकर्षित कर सकते हैं।

2. में मुबई शहर की रहने वाली हूँ। यहाँ पर रफ्तार बहुत तेज हैं यहाँ नए नये लोग मिलते हैं और जीवन में हमारी दिलचस्पी बढ़ाते हैं। यहाँ आपके जीवन में कोई दखल नहीं देता। आप जैसे जीना चाहें यहाँ रह सकते हैं। इसलिए मुबई मुझे बहुत ही पसंद हैं।

- **खान-पान** : मुंबई के सबसे मशहूर स्ट्रीट फूड में वड़ा पाव, भेलपुरी, पानीपुरी, सेवपुरी, बॉम्बे सैंडविच, रगड़ा-पटीस, पाव भाजी, ऑमलेट पाव और कबाब शामिल हैं। मुंबई की लोकप्रिय मिठाइयों में कुल्फी और आइस गोला शामिल हैं।
- **जलवायु** : मुंबई की जलवायु गर्म और आर्द्र है।
- **प्रसिद्ध स्थान** : गेटवे ऑफ़ इंडिया, हाजी अली दरगाह, एलीफैंटा केव्स, और जुहू बीच मुंबई के सबसे मशहूर पर्यटक स्थलों में से एक है।

(ख) अपने परिवार के किसी सदस्य या मित्र के बारे में लिखिए। उसकी कौन-कौन सी बातें आपको अच्छी लगती हैं?

उत्तर: मेरे एक अच्छे दोस्त का नाम रोहित है। उसकी सबसे खास बात यह है कि सबके साथ भुत ही विनम्र से बात करता हैं। उसकी समझदारी और उसकी क्षमता से मुझे बहुत प्रेरणा मिलती है। जब हम साझा रुचियाँ करते हें तब वह किसी स्थिति पर अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करने में भी सक्षम हो।

अथवा

मेरे परिवार में मेरी माँ की महत्वपूर्ण भूमिका है। माँ ने मुझे बहुत कुछ सिखाया हैं। मेने अपनी माँ से सच्चाई और ईमानदारी सीखी हैं। माँ ने मुझे भला करना सिखाया हैं और जिंदगी कैसे जीते हैं यह सिखलाया हैं। में अपनी माँ से बहुत प्यार करती हूँ।

वंशी - से

"श्री कृष्णा ने सुनाई"
वंशी पुनीत गीता"

'वंशी' बाँसुरी को कहते हैं। यह मुँह से फूँक कर बजाया जाने वाला एक 'वाद्य' यानी बाजा है। नीचे फूँक कर बजाए जाने वाले कुछ वाद्यों के चित्र दिए गए हैं। इनके नाम शब्द-जाल से खोजिए और सही चित्र के नीचे लिखिए।

श	ह	ना	ई	बाँ
अ	भं	द	शं	सु
ल	को	स्व	ख	री
गो	रा	र	बी	न
जा		म	सीं	गी

अलगोजा

बीन

बाँसुरी

सीगी

शहनाई

नादस्वरम

भंकोरा

शंख

आज की पहेली

आज हम आपके लिए एक अनोखी पहेली लाए हैं। नीचे कुछ अक्षर दिए गए हैं। आप इन्हें मिलाकर कोई सार्थक शब्द बनाइए । अक्षरों को आगे-पीछे किया जा सकता है यानी उनका क्रम बदला जा सकता है। आप अपने मन से किसी भी अक्षर के साथ कोई मात्रा भी लगा सकते हैं। पहला शब्द हमने आपके लिए पहले ही बना दिया है।

क्रम संख्या	शब्द	अक्षर
1	स म ह ग र	महासागर
2	ह म य ल	हिमालय
3	ग ग	गंगा
4	भ त र	भारत
5	ल क य	कोयल
6	व न प	पवन